हृदय और धड़कन

वर्ष-8, अंक-88, अप्रैल 20, 2017

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

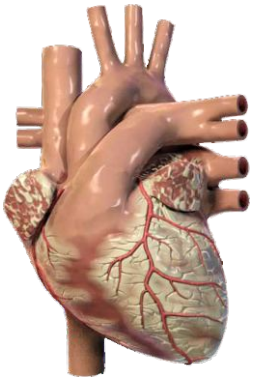

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट	
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
कार्डियक सर्जन	
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन	
डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट	
डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

डिजिटालिस

क्या है?

कई दवाओं के स्त्रोत पेड़- पौधे होते हैं। सामान्य फोक्स ग्लोव प्लान्ट, डिजिटालिस परपुरिया का उपयोग सन १७८५ से हृदयरोग के निवारण के लिए होता आया है। सर्वप्रथम इस पौधे की पत्तियों को पीस कर उसका पावडर बनाकर उसका उपयोग हार्टफेल्योर (कमजोर हृदय) के लिए होता था।

किस प्रकार कार्य करता है?

डिजिटालिस शरीर के अतिरिक्त प्रवाह को साफ कर श्वसन क्रिया को अधिक सरल बनाता है। इसीसे यह हृदय के कार्य को भी सरल बनाता है। यह दिन में एक बार लिया जाता है और इसकी कीमत भी कम होती है। हृदय के मासपेशियाँ जब निश्चित मात्रा में रक्त को शरीर में पम्प नहीं करते हैं तो हार्टफेल्योर होता है। डिजिटालिस हृदय के हर स्नायु की संकुचन क्रिया को ज्यादा मजबूत बनाता है। डिजिटालिस हृदय की धड़कनों की रफ्तार को कम भी कर सकता है।

किस तरह उपयोग किया जाता है?

डिजिटालिस मूँह के या नस के द्वारा दिया जा सकता है। अति शीघ्र परिणामों के लिए इसे नसों के द्वारा दिया जाता है। डिजिटालिस अधिकतर गोली के रूप में लिया जाता है।

डॉक्टर से सम्पर्क कब करना चाहिए?

निम्नलिखित लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर का सम्पर्क करना चाहिए

- रोगी के दिल की धड़कनें बहुत धीरे चलें
- रोगी के दिल की धड़कनें अधिक जान पड़े
- उबकाई आये। अपच अथवा कमजोरी महसूस हो, तो डॉक्टर का सम्पर्क करें

वासोडायलेटर

वासोडायलेटर क्या है?

वासोडायलेटर रक्तवाहिनियों की दीवार को चौड़ा कर उसके स्नायुओं को आराम देने वाली दवा है। यह रक्त के प्रवहन को सरल बनाता है। वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप की अन्य दवाओं के साथ में दी जाती है। यह दवाएं अकेली बहुत कम उपयोग में ली जाती हैं ।

कब उपयोग में ली जाती है?

वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप को काबू में रखने के लिए ली जाती है। उच्च रक्तचाप हृदय के काम को अधिक जटिल बना देता है और रक्तवाहिनियों को कमजोर कर सकता है, और समय के साथ स्थायी नुकसान हो सकता है। अगर उच्च रक्तचाप का इलाज नह हो तो हृदयरोग का हमला होने का, हृदय बंद पड़ जाने का या किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। कितने ही वासोडायलेटर एन्जायना (angina) या रक्त की बंद धमनियों के कारण होने वाले दर्द को कम करने में मदद करता है। वासोडायलेटर दवाएं हार्टफेल्योर (Heart failure) वाले रोगियों के लिए बहुत उपयोगी है।

'डॉक्टर साहब मैं सारे दिन काफी कमजोरी व थकान महसूस करता हूं।' एक रोगी ने शिकायत की, 'मैं हमेशा खोया-खोया रहता हूं मुझे आप कुछ ऐसा दें जिससे मैं थोड़ा चपल और सक्रिय हो जाऊं।' 'जरूर मैं तुम्हे अपना बिल भेज देता हूं।'

किस प्रकार कार्य करता है?

वासोडायलेटर सामान्यतया रक्तवाहिनियों (Blood vessels) को चौड़ी करता है। इस तरह यह उच्च रक्तचाप को कम करके अधिक रक्त के वहन को सुनिश्चित कर, यह दवाएं हृदय के कार्यभार को हलका करती हैं। 'एन्जियोटेन्सीन कनवर्टिंग एन्जाइम इनहींबीटर' एक प्रकार का वासोडायलेटर है। ये 'ए.सी.इ. इनहींबीटर' के नाम से जाने जाते हैं।

एक डॉक्टर एक मरीज के घर विजिट पर गया। जांच के बाद डॉक्टर ने रोगी की पत्नी को साइड में बुलाकर कहा, 'आपके पति बीमार नहीं हैं, उन्हे वास्तव में बीमारी का वहम है।' कुछ समय बाद डॉक्टर ने हाल पूछने के लिए फोन किया। 'अब तो इनकी बीमारी बढ़ गई है डॉक्टर।' रोगी की पत्नी ने कहा, 'अब तो इनको लगता है कि वे मर गए हैं।

मैं स्वयं की देखभाल किस तरह कर सकता हूं?

उच्चा रक्तचाप वाले रोगी कई बार अच्छा 'फील' करते हैं। किन्तु सब कुछ सामान्य है ऐसा अनुभव होता हो तो भी अपने डॉक्टर की मुलाकात बंद ना करें और दवा का नियमित सेवन करते रहें। आपकी ली हुई दवा सही ढंग से कार्य कर रही है और उसका कोई बुरा प्रभाव नहीं है, यह अपने डॉक्टर को तय करने दें।

वासोडायलेटर एक ऐसी दवा है जो धमनी को चौड़ी कर उसमे से अधिक रक्त के प्रसार में मदद करती है।

वासोडायलेटर की धमनी पर असर

स्टेम सेल्स, संजीवनी बूटी

अपनी पौराणिक कहानियों में मृत्यु के पश्चात या गंभीर चोटों के बाद मनुष्य को जीवित करने के उदाहरण मिलते हैं। भगवान रामचंद्र के लाडले भाई लक्ष्मणजी लंका में रावण की सेना से लड़ते हुए गंभीर रूप से घायल हुए, तब लंका से एक वैद्य को बुलाया गया था। इस वैद्य ने हिमालय पर्वत से एक खास जड़ी बूटी मंगाई थी। भगवान रामचंद्रजी के सेवक हनुमानजी उस जड़ी-बूटी का पूरा पहाड़ उठा लाए थे, और लक्ष्मणजी का इलाज हुआ था।

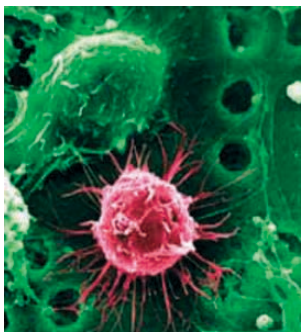

आधुनिक दुनिया में भी ऐसा ही कुछ खोजा जा रहा है ।

हार्ट अटैक के बाद

जैसा हमने देखा कि हार्ट अटैक हृदय के स्नायुओं को रक्त मिलना बंद होने से होता है। जब हृदय के किसी स्नायु को रक्त नहीं मिलता है जब वह स्नायु मृत हो जाती है, स्वयं का काम नहीं कर सकती है और वह अधिक खराब हो सकती है और वह आसपास की तंदरुस्त कोषों के लिए अड़चन बन सकती हैं। हृदयरोग के हमले के बाद हृदय को नुकसान हो ऐसे कोषों को इन्फार्क्ट कहा जाता है।

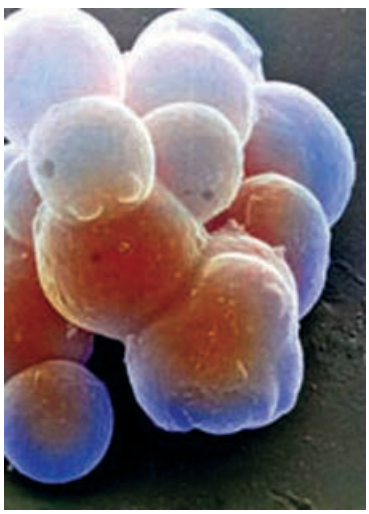

यह इन्फार्कट हृदय को धड़कने नहीं देते हैं, और हृदय के विद्युतप्रवाह का मार्ग बदल देती हैं। ऐसा रोगी हृदय जितना करना चाहिए उससे कम रक्त धकेलता है। इकोकार्डियोग्राफी की जांच में बहुत कम इजेक्शन फ्रेक्शन (हृदय की कार्यक्षमता के पम्पिंग का परिणाम) बताता है।

ऐसे हृदय से रोगी जी तो सकता है पर उसको बहुत कमजोरी आती है, थोड़ा काम करके थक जाए और सांस भी फूल जाता है।

हार्ट अटैक के बाद अगर रोगी का इलाज ठीक तरह नहीं हुआ हो तो रोगी को हमेशा के लिए हृदय की पेशिओं में नुकसान / कमजोरी रह जाती है।

ऐसे केस में स्टेम सेल्स यानि कि हमारे शरीर में पाये जाने वाले कुछ खास प्रकार के रक्त कण संजीवनी की तरह मृत पेशी को कार्यक्षम बनाते हैं।

स्टेम सेल मतलब क्या?

स्टेम सेल शरीर में एक खास प्रकार का कोष है, जिनका विभाजन होकर उससे हृदय के नये कोष बन सकते हैं। ये स्टेम सेल्स से अन्य अंगों के कोष भी बन सकते हैं। इसलिए स्टेम सेल्स हार्ट अटैक व अन्य रोग के रोगियों के लिए भविष्य में संजीवनी की तरह सिद्ध हो सकते हैं।

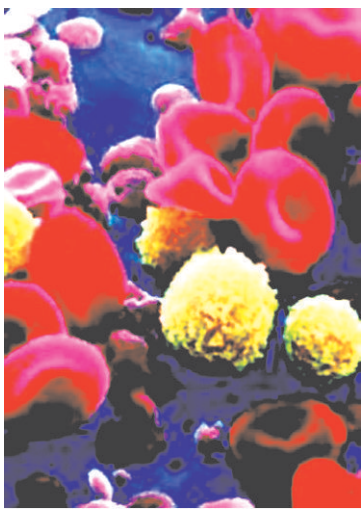

कहां पाए जाते हैं?

स्टेम सेल सामान्य रूप से बोन मेरो (अस्थिमज्जा- हड्डियों के अंदर बीच का गूदा) में मिलता है। इसके अलावा चरबी कोष, स्नायु कोष व गर्भ की नाल में भी स्टेम सेल्स पाये जाते हैं।

अब तो विदेश की कुछ कम्पनियां नये बालक का जन्म होने पर उसकी गर्भ नाल (Umbilical Cord) में से स्टेम सेल्स निकाल कर उसको संभालने की जिम्मेदारी लेने लगी हैं। यह स्टेम सेल्स उस बच्चे को खुद को तथा उसके माता-पिता, और भाई-बहनों के लिए भविष्य में किसी भी गंभीर बीमारी का इलाज करने के लिए उपयोगी हो सकती है।

स्टेम सेल की विशेषता

स्टेम सेल में दो खास बातें होती हैं .....

- यह सामान्य स्वरूप के होते हैं यानि कि यह किसी भी अंग की खास पेशी की तरह किसी खास आकार या कोई खास काम नहीं करती और वह चाहे जितनी बार विभाजित हो सकती हैं।
- निश्चित स्थिति में इनका विभाजन होकर विशिष्ट प्रकार के कोषों का निर्माण होता है, जैसे हृदय के कोष, स्वादपिंड के कोष।

स्टेम सेल का हृदयरोग में उपयोग

सामान्य रूप से हृदय के कोषों का जन्म के बाद विभाजन नहीं होता। इसलिए किसी भी प्रकार की चोट लगने पर वह कायमी चोट बनती है और समय के साथ हृदय धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है और अंत में हार्ट फेल्योर हो सकता है।

हार्ट अटैक के अब तक के इलाज में हृदय के चोट पाए हुए कोष व मृत कोष के हिसाब से उसके आस पास के कोष भी रोगग्रस्त हो सकते हैं और हृदय का अधिक से अधिक भाग निष्क्रिय बन सकता है।

ऐसे समय में रोगग्रस्त कोषों को स्टेम सेल देकर उन्हे पुनः कार्यरत करने में विशेषज्ञों को सफलता मिली है। इस पर दुनिया भर में बहुत सी जगहों पर संशोधन चल रहे हैं, और ऐसा लगता है कि निकट भविष्य में स्टेम सेल रख कर हृदय का खराब हुआ भाग फिर से कार्यक्षम बनाया जा सकेगा।

स्टेम सेल किस तरह दिया जायेगा?

हाल में स्टेम सेल का उपयोग किस प्रकार करना है उस पर अनुसंधान जारी है। स्टेम सेल इन्जेक्शन के द्वारा या एन्जियोग्राफी की तरह जांघ की धमनी में केथेटर डाल कर हृदय की कोरोनरी आर्टरी में भी दे सकते हैं। स्टेम सेल डालने का सबसे अच्छा रास्ता इन अनुसंधानों के निष्कर्षों के बाद पता चलेगा।

स्टेम सेल कब देना और कितना देना इस पर भी अनुसंधान चल रहे है।

भविष्य में ऐसा भी हो सकता है कि हार्ट अटैक के बाद स्टेम सेल का इलाज लेकर मरीज पहले से भी ज्यादा तेज दौड़े और अधिक काम करने की क्षमता प्राप्त कर ले।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

सीम्स अस्पताल की मेडिकल टीम में शामिल हुये नये डॉक्टर्स

CIMS

डॉ. राजीव हर्षे
MBBS, MD(ANAE.), DHA, FIP
कन्सलटन्ट पेईन मेनेजमेन्ट
मोबाईल : +91-9825252100
ईमेल : rajeev.harshe@cimshospital.org

डॉ. उदय पटेल
MBBS, DMRD, FVIR
इन्टरवेन्शनल रेडियोलोजीस्ट
मोबाईल : +91-8087955435
ईमेल : uday.patel@cimshospital.org

डॉ. रोनक पटेल
MBBS, MD, DNB
कन्सलटन्ट रेडियोलोजीस्ट
मोबाईल : +91-9654670274
ईमेल : ronakk.patel@cimshospital.org

डॉ. देवन झवेरी
MBBS, MS, Mch
कन्सलटन्ट न्युरो सर्जन
मोबाईल :+91-9824280706
ईमेल : deven.zaveri@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-9825066661, +91-79-30101008

CIMS

सीम्स अस्पताल
CIMS Hospital अहमदाबाद

भारत की एक मात्र होस्पिटल जो नीचे के सर्टिफिकेटो से सम्मानित है
JCI (USA) ACC (USA) (American College of Cardiology) NABH NABL Certificate No. M-0500 GreenOT Certified Green Operation Theatre

आपका विश्वास... हमारी उप्लब्धियाँ

विश्वास

गुजरात का सर्व प्रथम हार्ट ट्रान्सप्लान्ट

- जरुरतमंद केंसर मरीज़ो के लिए शुरु किया गया सीम्स ख़ंभाता लाइनेक (रेडियोथेरपी) सेन्टर
- थेलेसीमिया मरीज़ो के लिए शुरु की गई पीडिआट्रीक बोनमेरो ट्रान्सप्लान्ट की सुविधा
- बेहतर निरंतर सेवाओ के लिए स्थापित किया गया गुजरात का सर्व प्रथम डिजीटल आइसीयु (ICU) और ओपरेशन थीयेटर
- अत्याधुनिक सीटी स्केन और एमआरआई के साथ सबसे उच्चतम रेडियोलोजी सुविधाएँ - रीवोल्युशन इवीओ (EVO) और सीग्ना सीरीस
- अल्ट्रा मोड्युलर और फुल्ली मोनिटर्ड ईमरजन्सी और ट्रोमा सेवाएँ
- ब्लड बेंक

सीम्स अस्पताल मल्टीस्पेश्यालीटी क्लिनिक्स
सुबह 8 से शाम के 6 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

संपूर्ण और विश्वसनीय इलाज
सीम्स ईमरजन्सी 24 x 7

कार्डियोलोजी क्लिनीक	अेन्जीयोप्लास्टी और स्टेन्टस क्लिनीक	कार्डियाक सर्जरी और बायपास सर्जरी क्लिनीक	मिनीमल इन्वेसीव कार्डियाक सर्जरी (MICS) क्लिनीक	अेरीधमीया और हार्ट फेल्योर क्लिनीक	हार्ट ट्रान्सप्लान्ट क्लिनीक
हार्ट फेल्योर क्लिनीक	थोरासीक और वासक्युलर क्लिनीक	चेस्ट पेइन क्लिनीक	पीडियाट्रीक कार्डियोलोजी / कार्डियाक सर्जरी	वाल्व क्लिनीक	स्ट्रक्चरल हार्ट डिसीझ क्लिनीक
वेइन क्लिनीक	स्ट्रोक क्लिनीक	क्रिटीकल केर	रेडियेशन ओन्कोलोजी	सर्जिकल ओन्कोलोजी	मेडिकल ओन्कोलोजी
न्युरोसाइन्सीस और स्पाइन सर्जरी	ट्रोमा	जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट	ओर्थोपेडिक / आर्थ्रोस्कोपी और स्पोर्ट्स मेडिसीन	पल्मोनोलोजी	निओनेटल/पीडिआट्रीक क्रिटीकल केर
नेफ्रोलोजी और रीनल ट्रान्सप्लान्ट	गेस्ट्रोअेन्ट्रोलोजी और जी.आइ सर्जरी	ओबस्टेट्रीक, गायनेकोलोजी और आइवीअेफ	युरोलोजी	ओबेसीटी सर्जरी	लीवर सीरोशीस क्लिनीक
चेपी रोग क्लिनीक	अेनेस्थेसीयोलोजी	डेन्टीस्ट्री	अेन्डोक्राइनोलोजी	पेथोलोजी और माइक्रोबायोलोजी	कान, नाक, गला क्लिनीक (इअेनटी)
रेडियोलोजी	डर्मेटोलोजी (चमडी का विभाग)	इन्टर्नल मेडिसीन	ओप्थालमोलोजी	ऱ्यूमैटोलोजी	पीडिआट्रीक बोनमेरो ट्रान्सप्लान्ट
क्लिनीकल जीनेटीक्स	पेइन क्लिनीक	केर अेट होम्स	प्रिवेन्टीव हेल्थकेर	रिहेबीलीटेशन और दुसरी अन्य सेवाए	

गुजरातकी एक मात्र प्राइवेट अस्पताल जहाँ उपलब्ध है फुल्ली डिजीटलाइझ आइसीयु (ICU) एवं ओटी
१ एमआरआइ (MRI) २ सीटी स्केन (CT) और ३ कार्डियाक केथलेब

सीम्स एक्सप्रेस
बेहतर सेवाऐं प्रदान करने के लिये उसी दिन अपोइन्टमेन्ट

क्या आपको आज ही अपोइन्टमेन्ट चाहिए ?
सीम्स में हम डॉक्टर* की उसी दिन अपोइन्टमेन्ट का वादा करते है
(अगर आप दोपहर 12.00 बजे से पहले फोन करो - सोमवार से शनिवार) अथवा दूसरे दिन की सुबह
+91-9825066661, +91-79-30101008
*जिस स्पेश्यालीटी टीम से संबंधित डॉक्टर उस दिन हाजिर होगें वे मरीज की जाँच करेगें ।

CIMS KHAMBATTA* LINAC CENTRE
AREEZ KHAMBATTA BENEVOLENT TRUST
*जरुरियात वाले मरीज़ को उचित दर में कैंसरकी रेडियोथेरेपी दी जायेगी

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-70 69 00 00 00
एम्ब्युलन्स और ईमरजन्सी : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

CIMS Care Institute of Medical Sciences Earning Trust with World-Class Practices
सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
www.facebook.com/cimshospitals (Follow our facebook page for daily medical updates in English, Hindi & Gujarati)
www.cims.org CIMS Hospital India App on:

CIMS

सीम्स कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

सीम्स वुमन और चाइल्ड
लेकर आ रहा है सीम्स कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) पैकेजिस में समाविष्ट है

- फर्टिलिटी स्पेशयालिस्ट कन्सल्टेशन
- कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) फर्टिलिटी और स्पेशयालिस्ट प्रोसिजर्स
- उच्च गुणवत्तायुक्त दवाइयाँ
- दर्दी एवं परिवार का जरुरी सहयोग
- सायकोलोजिकल एवं जिनेटिक्स काउंसेलिंग
- योग क्लासिस

- सहायक गर्भधारण - इंट्रायुटेराइन इन्सेमीनेशन (आइ.यु.आइ), कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) एवं इंट्रासाइटोप्लास्मिक स्पर्म इंजेक्शन (इक्सी)
- पुरुष एवं स्त्री वन्ध्यत्व की सारवार
- क्रायोप्रिजर्वेशन
- फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रान्सफर
- असिस्टेड हेचिंग

गायनेकोलोजी और वुमन हेल्थ

- ओब्स्टेट्रीशियन विशेषज्ञ टीम की निरंतर देखरेख (24 x 7) वाला हाई रिस्क प्रेग्नन्सी युनिट
- फिटल मेडीसीन
- गायनेक एडोलसेंट क्लिनीक एवं मार्गदर्शन
- मेनोरेजिया क्लिनीक एवं गायनेक केन्सरकी तपास
- मेनोपोज क्लिनीक
- पेल्वीक फ्लोर डिसफंक्शनकी सर्जरी (प्रोलेप्स)
- लेप्रोस्कोपिक एवं हिस्ट्रोस्कोपीक सर्जरियां
- गर्भनिरोध एवं परिवार नियोजन
- व्हाइट डिस्चार्ज (ल्यूकोरिया) की सारवार

पहला कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) कन्सल्टेशन फ्री
अप्रैल 30, 2017 तक
सिर्फ अपोइंटमेंट पर ही
*शरतें लागु

आपके सवालों के जवाब गोपनीय रखे जायेंगे।
आपका नाम और फोन नंबर निचे दर्शाए नंबर पर भेजे
+91-9099 509 599
हमारी टीमके सदस्य आपके साथ संपर्क करेंगे
सुबह 8:00 से शाम 8:00 तक

स्त्री संबंधी कैंसर

- स्तन संरक्षण थेरेपी के साथ स्तन कैंसर
- अंडाशय का कैंसर
- बच्चेदानी के मुंखका कैंसर
- योनि का कैंसर
- केमोथेरापी एवं रेडियोथेरापी
- यूटेराइन / एंडोमेट्रियल कैंसर
- वालव्युलर कैंसर
- प्रायमरी पेरिटोनिल कैंसर (PPC)
- स्त्रियों के लिए कैंसर जांच

पीडियाट्रिक एवं निओनेटोलोजी

- गुजरात का पहला ऐसा पीडियाट्रिक एक्मो
- अत्याधुनिक पीडियाट्रिक सर्जरी एवं ओपरेशन के बाद की सेवाएं अेक ही छत के निचे (हार्ट, ब्रेन, स्पाइन, ट्रौमा)
- निओनेटल लंग डिसोर्डर के लिए फाइबर ओप्टिक ब्रेंचोस्कोपी
- इन हाउस ओब्स्टेट्रिक एवं लेवल III केर डेवलोपमेन्ट फ्रेंडली निओनेटल इन्टेंसिव केर युनिट (NICU)
- चाइल्ड डेवलोपमेन्ट सेंटर एवं हाई रिस्क न्यू बोर्न फोलो अप केर

पीडियाट्रिक बॉन मेरो ट्रान्सप्लान्ट

पीडियाट्रिक थैलसीमिया के दर्दीओ के लिए खास

जल्द ही शुरु

संकल्प फाऊंडेशन के सहयोग से

ब्लड ट्रान्सफ्यूसन थेरेपी को कम करने का हेतु

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-79-3010 2235

८२ वर्ष की उम्र में हृदयमें ड्रीलींग करके उसको २८ वर्षकी युवानकी तरह फिरसे धड़कन शुरु की

CIMS DIL DIL KI KAHANI

#dildilkikahani

नाम : श्रीमती मोहिनी लालचंद बेलानी
उंमर : ८२ वर्ष
स्थान : अहमदाबाद, भारत

८३ वर्षीय श्रीमती मोहिनीदेवी आनंदपूर्वक अपना जीवन पसार कर रहै थे । उसके हृदयकी तीनो कोरोनरी धमनीमें अतिगंभीर ब्लॉक थे, और उसमे खुब केल्शियम जम गया है ऐसा निदान हुआ । वह छ मास से सिने में दर्द और डाये हाथमें कमजोरी की तकलीफ महसुस कर रहे थै । उसके निवारण के लिये विशेषज्ञोने बायपास सर्जरी करवाने की सलाह दी, परंतु यह एक अति जोखमी सर्जरी थी ।

सीम्स कार्डियोलॉजीस्टकी अनुभवी टीमने मरीज़ के हृदय में केल्शियम जमा होने से कडक हुई आर्टरी की सारवार करने के लिये रोटेशन अेथेरेक्टमि की । माइक्रो ड्रीलींग से केल्शियम साफ करके वहां स्टेन्ट फीट कर दीया ।

इसके परिणामस्वरुप वह जल्दी सवस्थ बनके दुसरे ही दिन अपने घर जा सके । ८२ वर्षकी श्रीमती मोहिनीदेवीने शारीरिक प्रतिकूलता के सामने लडत देके रोमांच और पडकारो से भरी हुइ जिंदगीको मनभर के जीना शीख्या ।

सीम्स कार्डियाक केयर

- रोटेशनल अेथेरेकट्मि प्रक्रियाके विशेषज्ञ
- भारतका एक श्रेष्ठ पर्फयुटेनीयस कार्डियाक इन्टरवेन्शन केन्द्र
- भारत का एकमात्र "अमरिकन कॉलेज ओफ कार्डियोलॉजी (ए.सी.सी.) सेन्टर ऑफ एक्सलन्स" प्रमाणित केन्द्र

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

www.cims.org

अपॉइन्ट्मेन्ट्स : (L) +91 79 3010 1008, (M) +91 98250 66661, (E) opd.rec@cimshospital.org
अेम्ब्युलन्स और इमरजन्सी : (M) +91 98244 50000 / 97234 50000 /

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन
+91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org *CIMS Hospital India App on:*

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-72

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

Care At Homes℠
home health @ your doorstep

संपूर्ण आरोग्य
सारवार आपके घर
24x7

नर्सिंगकी सुविधा: मरीज़ को लाने-ले जाने में मदद, घाव की संभाल और ड्रेसिंग, अंतःनलीय एवं विविध प्रकार के इन्जेकशन्सकी सुविधा, पेशाबकी नली डालनी और संभाल, गले की नली और अन्ननली डालने और उसकी संभाल

विशेष नर्सिंगकी सुविधा: डायाबीटीज के मरीज की देखरेख, कीडनी के मरीज़ की देखरेख, दिमाग के मरीज़ की देखरेख, ट्रान्सप्लान्ट के बाद की देखरेख, ड्रेसिंग

अन्य सुविधाएं : मेडिकल उपकरण किराये पे और बेचना

देखरेख रखने कि सुविधाएं : न्हाना, मावजत और टोयलेट्रीकी सुविधा, मरीज़ की अपोईन्टमेन्ट और ले जाने में मदद, मरीड़ के लिये वोकर और व्हील चेर से चलाने में मदद, पोषणयुक्त खोराक लेने में मदद, दवाओ निर्देशानुसार याद कराने के लिये

फिझियोथेरापी सुविधाएं: फीझीयोथेरापी, डायेटिशीयन

तबीबी साधन किराये पे
- आई.वी. स्टेन्ड
- बाई-पेप
- इन्युझन पम्प
- स्फिगमोमेनोमीटर
- नेब्युलाइझर
- अेयर बेड / वोटर बेड
- नीम्बस अेयर बेड
- सकशन मशीन
- ओक्सिजन सिलीन्डर बी-टाईप
- ओक्सिजन कोन्सन्ट्रेटर (Os HR)
- मल्टी-पेरामीटर मोनीट
- फुल्ली अने सेमी मोटराइझड बेड
- फोलर और सेमी फोलर बेड
- व्हील चेर

तबीबी साधन बेचना
- बी.पी. मापने का साधन
- पल्स ओक्सिमीटर
- ग्लुकोमीटर
- नेब्युलाइझर मशीन
- थर्मोमीटर
- सकसन मशीन
- अेयर-बेड वोटर बेड
- वोकर
- वोकिंग स्टीक
- वेइंग स्केल

एक फोन कीजीये और यह सभी सुविधाएं आपके घर पर प्राप्त करे **+91-90990 67988**

www.careathomes.com

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।